पाठ - पानी रे पानी

शब्दार्थ -

बेवक्त	-	असमय
तू-तू मैं-मैं	-	झगड़ा, तकरार
हक	-	अधिकार
थम जाना	-	रुक जाना
विशाल	-	बहुत बड़ा
समृद्ध	-	धनी
समृद्ध	-	संपन्न
गुल्लक	-	थोड़ा-थोड़ा करके रुपए-पैसे इकट्ठा करने का पात्र; गोलक
भंडार	-	कोष, ख़जाना

तुम्हारे आस-पास

अपने आस-पास के बड़ों से पूछकर पता लगाओ -

1. तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?
2. तुम्हारे घर का मैला पानी बहकर कहाँ जाता है?
3. (क) तुम्हारे इलाके में धरती के अंदर का पानी कितने फीट या कितने हाथ नीचे है?

(ख) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी कितने नीचे था?

उत्तर:

1. हमारे घर में पानी जल बोर्ड के सप्लाई से आता है।
2. हमारे घर का मैला पानी बहकर नालों एवं सीवर में जाता है।
3. (क) हमारे इलाके में धरती के अंदर का पानी लगभग 80-100 फीट नीचे है।

(ख) आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी लगभग 20-25 फीट नीचे था।

अनुमान लगाओ

पाठ के आधार पर बताओ

1. अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छीनने के बराबर है। लेखक ऐसा क्यों मानते
2. बड़ी संख्या में इमारतें बनने से बाढ़ और अकाल का खतरा कैसे पैदा होता है?
3. धरती की गुल्लक किन-किन साधनों से भरती है?

उत्तर:

egyanarchive

1. मोटर लगवाने वाले को पर्याप्त पानी मिल जाता है जबकि मोटर नहीं लगवाने वाले को पानी नहीं मिल पाता है। स्पष्टतः यह उनका हक छीनने के बराबर है।
2. बड़ी संख्या में इमारतें बनने से खाली भूमि कम पड़ती जाती है। ढकी भूमि जल नहीं सोख पाती है जिससे धरती की गुल्लक भर नहीं पाती। इससे गर्मी में अकाल और बरसात में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।
3. हमारे गाँव में, शहर में जो छोटे-बड़े तालाब, झील आदि हैं वे धरती की गुल्लक भरने का काम करते हैं। इनमें जमा पानी जमीन के नीचे छिपे जल के भंडार में धीरे-धीरे रिसकर, छनकर जा मिलता है।

यदि हाँ तो...

1. क्या तुम्हारे इलाके में कभी बाढ़ आई है? यदि हाँ, तो उसके बारे में लिखो।
2. क्या तुम्हारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है? यदि हाँ, तो बताओ कि कैसे तुम्हारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है?
3. क्या तुम्हारे मोहल्ले में रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है? यदि हाँ, तो बताओ कि तुम्हारे घर में रोज़ औसतन कितने लीटर पानी खरीदा जाता है? इस पर कितना खर्चा होता है?

उत्तर:

1. हमारे इलाके में बाढ़ तब आई थी जब मेरा जन्म भी नहीं हुआ था। माता-पिता बताते हैं कि वह बहुत भयंकर बाढ़ थी। सारी बस्तियाँ पानी में डूब गईं थीं। हजारों लोग बेघर हो गए थे, लोग खाने खाने को मोहताज थे। छतों पर हेलिकॉप्टर से खाने का पैकेट गिराये जाते थे जो कि पर्याप्त नहीं होते थे। बच्चों और बूढ़ों की हालत काफी बदतर थी।
2. हाँ, मेरे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है। इसीलिए घर के लोगों की दिनचर्या पानी आने के साथ शुरू – हो जाती है। पानी प्रातः 6.30 में आता है जो करीब दो घंटे रहता है नहाना, कपड़ा-धोना आदि काम इसी बीच कर लेना पड़ता है। हम इन दो घंटों में दूसरा कोई काम नहीं करते बल्कि केवल पानी से जुड़े काम ही करते हैं।
3. हाँ, मेरे मुहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है। स्वयं मेरे घर में रोज़ औसतन 30 लीटर पानी खरीदा जाता है। इस पर 60 रुपये खर्च होते हैं।

संकट क्यों?

1. पाठ में पानी के संकट के किस प्रमुख कारण की बात की गई है?
2. पानी के संकट का एक और मुख्य कारण पानी की फिजूलखर्ची भी है। कक्षा में पाँच-पाँच के समूह में बातचीत करो और बताओ कि अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए तुम क्या-क्या उपाय कर सकते हो?
3. जितना उपलब्ध है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने से पानी का संकट उत्पन्न होता है। क्या यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं?

उत्तर:

egyanarchive

1. नदी-नालों तथा तालाबों को कचरे से पाटकर, भरकर समतल बना देना पानी के संकट का प्रमुख कारण है।

2. **पानी की बचत के उपाय:**

1. रोजमर्रा की जिंदगी में:

- नल को बंद करके ब्रश करें।
- नहाने के लिए बाल्टी या मग का उपयोग करें।
- कपड़े धोने के लिए वाशिंग मशीन का इस्तेमाल कम करें।
- पानी की बर्बादी करने वाले उपकरणों का उपयोग न करें।
- लीकेज वाले नल और पाइपों को तुरंत ठीक करवाएं।

2. घर के बाहर:

- बगीचे में पानी देते समय स्प्रिंकलर या ड्रिप सिंचाई का उपयोग करें।
- कार धोने के लिए बाल्टी का उपयोग करें।
- सड़कों और फुटपाथों को साफ करने के लिए झाड़ू का उपयोग करें।
- बारिश के पानी को इकट्ठा करके उसका उपयोग करें।

3. अन्य उपाय:

- लोगों को पानी की बचत के महत्व के बारे में जागरूक करें।
- पानी बचाने के लिए स्कूलों और संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित करें।
- सरकार से पानी बचाने के लिए नीतियां बनाने की मांग करें।

3. हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं। हमें बिजली को सावधानीपूर्वक खर्च करना चाहिए। यदि खर्च उपलब्धता से अधिक होगा तो जाहिर है संकट पैदा होगा ही।

पानी का चक्कर-भाषा का चक्कर

1. पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर और नारे तैयार करो। यह काम तुम चार-चार के समूह में कर सकते हो।

2. "पानी की बर्बादी, सबकी बर्बादी" इस नारे में 'बर्बादी' शब्द का एक अर्थ है या दो अलग अर्थ हैं, सोचो।

3. पानी हमारी जिंदगी में महत्वपूर्ण तो है ही, मुहावरों की दुनिया में भी उसकी खास जगह है। पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठे करो और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करो।

उत्तर:

1. पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर

उत्तर:

egyanarchive

पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे -

- पानी है अनमोल
  बहाओ इसे न बेकार
- जल ही जीवन है।
- जल की सुरक्षा
  जीवन की सुरक्षा

2. "पानी की बर्बादी" में 'बर्बादी' का अर्थ है पानी को बर्बाद करना। "सबकी बर्बादी" में 'बर्बादी' का अर्थ है पानी की कमी से होने वाली परेशानियाँ।

3. पानी से संबंधित कुछ मुहावरे और उनका वाक्य प्रयोग-

1. **मुँह में पानी आना-** मिठाइयाँ देखते ही भोलू के मुँह में पानी आ गया।
2. **आँखों में पानी भर आना-** उसकी विपदा की कहानी सुनकर मेरी माँ की आँखों में पानी भर आया।
3. **पानी-पानी होना-** अपनी गलती के कारण भरी सभा में वह पानी पानी हो गया।
4. **पानी फेरना-** मेरी मेहनत पर तुमने पानी फेर दिया।

egyanarchive